

## U.G. 2nd Semester Examination - 2021

SANSKRIT  
[PROGRAMME]

Course Code : SANS-G-CC-T-02

Full Marks : 30

Time : 1½ Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*1. Answer any **five** questions: 2×5=10

যে-কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) Who was शुक्रनास? Whom did he advise?  
শুকনাস কে ছিলেন? তিনি কাকে উপদেশ দিয়েছিলেন?
- b) “यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः”—Why did the speaker say so?  
“यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः”—বক্তা কেন একথা বলেছেন?
- c) “राज्यविषविकारतन्द्रीप्रदा राजलक्षीः”—Explain the statement.  
“राज्यविषविकारतन्द्रीप्रदा राजलक्षीः”—উক্তিটি ব্যাখ্যা কর।

d) “आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा”—Who said this and to whom? What is the meaning of the statement?

“आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा”—কে কাকে একথা বলেছেন? উক্তিটির অর্থ কি?

e) Give a brief account of विहारभद्र.

বিহারভদ্রের পরিচয় দাও।

f) “देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद्भ्राजनं भवति”—From where has the statement been taken? Who is mentioned here by ‘देव’?

“देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद्भ्राजनं भवति”—উক্তিটি কোথা থেকে নেওয়া হয়েছে? এখানে ‘দেব’ বলতে কাকে বোঝানো হয়েছে?

g) What type of *kāvya* is वासवदत्ता? Name the hero and heroine of this *kāvya*.

वासवदत्ता কি জাতীয় কাব্য? এই কাব্যের নায়ক ও নায়িকা কে?

h) Who composed पञ्चतन्त्र? Classify its division.

पञ्चतन्त्र গ্রন্থটি কে রচনা করেন? এর বিভাগগুলির নাম লেখ।

2. Answer any **two** questions:  $5 \times 2 = 10$

যে-কোনো দু'টি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Write short note (any **two**):

টীকা লেখ (যে-কোনো দু'টি) :

i) চন্দ্রাপীড়

চন্দ্রাপীড়

ii) বিশ্বিত

বিশ্রুত

iii) পুণ্যবর্মা

পুণ্যবর্মা

b) Discuss briefly about 'सिंहासनद्वित्रिंशिका' in Sanskrit fable Literature.

সংস্কৃত গল্পসাহিত্যে 'সিংহাসনদ্বাত্রিংশিকা' সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

c) Write a short note on 'अम्बिकादत्तव्यासः'।

'অম্বিকাদত্তব্যাস' সম্পর্কে টীকা লেখ।

d) Translate into Bengali or English:

বাংলা অথবা ইংরাজিতে অনুবাদ কর :

गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवनस्थितं  
शूलमभव्यस्य। इतरस्य तु करिण इव  
शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरमुपजनयति। हरति च  
सकलमति मलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर

इव गुरुपदेशः प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण  
शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति। अयमेव  
चानास्वादितस्य विषयरसस्य ते काल उपदेशस्य॥

e) Explain referring the context:

প্রসঙ্গ উল্লেখপূর্বক ব্যাখ্যা কর :

i) अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः।

**OR**

ii) अनग्निशोधितेव हेमजातिर्नातिभाति।

3. Answer any **one** question:  $10 \times 1 = 10$

যে-কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Explain the remark—“वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्”।

“वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्”—উক্তিটি ব্যাখ্যা কর।

b) Discuss in view of 'विश्रुतचरितम्' the bad advices of विहारभद्र to 'अनन्तवर्मा'।

অনন্তবর্মার প্রতি বিহারভদ্রের কুপরাশর্ষ 'বিশ্রুতচরিতম' অবলম্বনে আলোচনা কর।

c) Discuss in detail cited the origin of Sanskrit fable literature regarding हितोपदेशः।

সংস্কৃত গল্পসাহিত্যের উৎপত্তি উল্লেখ করে 'হিতোপদেশ' সম্পর্কে বিস্তারিত আলোচনা কর।